अब सरकारी स्कूलों में छठी कक्षा से एआई होगा वैकल्पिक विषय, शिक्षा बोर्ड ने तैयार किया प्रस्ताव

ओपन स्कूल में स्किल सर्टिफिकेशन भी होगा शुरू, नौकरी में मिलेगी मदद

धर्मशाला | हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए

शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कक्षा छह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू करने की तैयारी कर ली है।

इसके लिए शिक्षा बोर्ड वैश्विक तकनीकी कंपनी इंटेल के सहयोग से आधुनिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रम तैयार कर रहा है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि एआई आधारित पाठ्यक्रम को इस तरह विकसित किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी खेल-खेल में तकनीक को समझ सकें। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को भविष्य की चुनौतियों और रोजगार की बदलती जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है। बोर्ड ने नियमित शिक्षा से बाहर रह गए युवाओं के लिए भी नई पहल की है। ओपन स्कूल के माध्यम से जल्द ही विभिन्न स्किल सर्टिफिकेशन कोर्स शुरू किए जाएंगे।

▪ शेष पेज 5 पर

एआई की डिजिटल तकनीक और डेटा को समझेंगे स्टूडेंट्स

योजना के अनुसार एआई को वैकल्पिक विषय के रूप में लागू किया जाएगा। इस विषय में विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूल अवधारणाएं, डिजिटल तकनीक, डेटा की समझ और व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिलेगा। शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि इस योजना को लेकर विशेषज्ञों के साथ विशेष कार्यशाला आयोजित की जा चुकी है। कार्यशाला में मिले सुझावों के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे अंतिम स्वीकृति के लिए प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा।

अब सरकारी स्कूलों...

इन पाठ्यक्रमों से युवाओं के पारंपरिक और आधुनिक कौशल को प्रमाणित पहचान मिलेगी, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकेंगे। बोर्ड परीक्षा प्रणाली में भी महत्वपूर्ण बदलाव करने जा रहा है। आगामी परीक्षाओं में केस स्टडी आधारित प्रश्न शामिल किए जाएंगे। इन प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, विश्लेषणात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल का मूल्यांकन किया जाएगा। इससे केवल रटकर परीक्षा पास करने की प्रवृत्ति कम होगी और विद्यार्थियों में विषय की वास्तविक समझ विकसित होगी।

JULY 12, 2026 SUNDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

CLASS IS IN SESSION: HPBOSE RELEASES TET ANSWER KEYS, OPENS OBJECTION WINDOW

Sunny Mahajan | Dharamshala

The dream of shaping young minds in government schools across Himachal Pradesh just hit a crucial milestone. The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE), based in Dharamshala, has officially released the provisional answer keys for the Teacher Eligibility Test (TET) held in June 2026. Available now on their official website, this release opens the floor for thousands of anxious candidates to cross-verify their answers and see exactly where they stand.

According to HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma, the answer keys have been meticulously categorized into Series A, B, C, and D to ensure a hassle-free checking experience. The release spans a wide array of subjects, covering everything from JBT and Special Educator roles across all grade levels to specialized TGT positions in Arts, Medical, Non-Medical, Sanskrit, and Hindi, alongside Punjabi and Urdu language tests.

However, the clock is already ticking for anyone who spots a discrepancy. Candidates who believe the board got an answer wrong have until July 16, 2026, at 5:00 PM sharp to lock in their objections. Dr. Sharma emphasized that the board won't just take anyone's word for it; every single challenge must be backed by rock-solid evidence and references from authentic textbooks.

Aspiring teachers can submit their grievances by emailing the board's dedicated paper-setting cell, sending a traditional letter via post, or even dropping by the board office in person during working days. Just make sure the mail arrives on time, because the board has made it crystal clear that late arrivals or hearsay objections without factual proof will be tossed straight into the bin.

Once the July 16 deadline passes, a panel of subject-matter experts will thoroughly review the valid objections to curate the definitive final answer key. This ultimate verdict will be published alongside the official results directly on the website, meaning no individual letters will be sent out to candidates. For those caught in a web of confusion or needing extra clarity, the board has opened a direct lifeline through their official helpline at 01892-242134, urging everyone to review the keys immediately before the window slams shut.